नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ९८ वि.सं. २०८२ कार्तिक १५ गते शनिच्चर थारु सम्वत (२६४८) [Saturday 01 November 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश सभा बैठक सञ्चालनके लाग गृहकार्य

आगजनी ओ तोडफोड करल प्रदेश सभा भवन ।

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके बैठक सञ्चालनके लाग गृहकार्य सुरु करल बा । जेनजी आन्दोलनके क्रममे प्रदेश सभा भवनमे आगजनीपाछे अनिश्चित बनल सभाके बैठक सेकटसम हाली सञ्चालन करेक लाग गृहकार्य सुरु करल हो ।

प्रदेश सभाके मर्मतबिना बैठक बैठना सम्भव नैरहल ओरसे मर्मत ओ उपकरण जडान कैना सवालमे टमान सहयोगी निकायसंग छलफल हुइटी रहल सभामुख भीमबहादुर भण्डारी बटैलै ।

"युएनडिपी, युएनएफपिए जैसिन संस्थासे करेसक्ना सहयोगके बारेमे छलफल हुइटी रहल बा", उहाँ कहलै, "प्रदेश सभा बैठक ढेर ढिला नैकरके सञ्चालनके लाग प्रदेश सरकारसंगफे मै छलफल चलैम ।" जेनजी आन्दोलनकारीसे भदौ २४ गते प्रदेश सभा भवनसहित प्रदेश सभा सचिवालय, विषयगत समितिके कार्यालय, संसदीय दलके कार्यालयमे आगजानी ओ तोडफोड करल रहिट । आगजनी ओ तोडफोडके कारण दुई महिनासे प्रदेश सभा बैठक बैठे नैसेकल हो ।

प्रदेश सभाके बर्खे अधिवेशन जारी रहल बेला आगजनी हुइल ओरसे अधिवेशनफे अभिन जारी रहल बा । चाडपर्वके बिदाके कारण यी बिचमे प्रदेश सभा भवन मर्मतके कार्य हुई नैसेक्लेसेफे आब हाली मर्मतके काम सुरु कैना सभामुख भण्डारीके कहाई बा । उहाँ सेकटसम एक महिनाभिटरे काम सेक्न करके मर्मत, उपकरण जडानके कार्य आघे बहैना उल्लेख करटी ठप्लै, "सम्भवतः एक महिनाभिटर प्रदेश सभा बैठक सञ्चालन हुई सेकी ।" आगजनीके कारण प्रदेश सभा भवनमे बैठना ठाउँ नैहो । कुर्सीसहित टमान उपकरण जरके नष्ट हुइल बटै । बैठना ठाउँ हुइलपाछे केल्ह प्रदेश सभाके बैठक सञ्चालन हुइना सामाजिक विकास समितिके सभापति धर्मराज पाठक बटैलै ।

प्रदेश सभामे पाँच ठो विधेयक विचाराधिन अवस्थामे बटै । प्रदेश सभा सचिवालयके अनुसार सुदूरपश्चिम प्रदेश जीवनाशक विषादी व्यवस्थापन सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक, दलित सशक्तिकरण ऐन, २०७८ हे संशोधन कैना बनल विधेयक, सुदूरपश्चिम प्रदेश बरघर र भलमनसा प्रथा संरक्षण तथा विकास सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक विचाराधीन अवस्थामे बटै ।

ओस्टेक करके, टीकापुर विज्ञान तथा प्रविधि विश्वविद्यालय *(बाँकी ३ पेजमे)*

आजसे फेरसे महिला उद्यमी शनिबारीय मेला सुरु हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ कार्तिक । धनगढी उप-महानगरपालिकासे आज (शनिच्चर)से फेरसेले शनिवरिया महिला उद्यमी मेला सञ्चालन करेक लाग बा ।

गैल बर्ष अगहन १ गतेसे सुरु हुइल शनिवारिय महिला उद्यमी मेला बर्खामे स्थगन हुइल रहे । बर्खाके समय सेकल लगटे उपमहानगरपालिकासेफे महिला उद्यमी मेला पहिलेक स्थान धनगढी वडा नम्वर १ मे पर्ना कर्भडहल, पार्क रोड अब्बे नामाकरण करल जेन्जी मार्गमे शुरु हुई लागल हो ।

'शनिवारिय महिला उद्यामी मेला'के आयोजना करके उप -महानगरसे गृहणी महिलासे अपनेसंग रहल कला सीपसे बनल हस्त सामाग्री ओ घरमे पकाई सेक्ना मिठ पक्वानहे बेचके आम्दानीके स्रोत बृद्धिके लाग बजार स्थापित करडेहल मेयर गोपाल हमाल बटैलै ।

आर्थिक रुपमे महिलाहे शसक्तीकरण कैना उद्देश्य रहल यी मेलामे कौनो महिलासे अपन स्टल बुकिंग करके शनिच्चरके दिन अपन घरमे उत्पादित हुइना कौनोफे समान बस्तु ब्यपार करे सेक्ना मेयर हमाल बटैलै । आज कार्तिक १५ से सुरु हुइटी रहल मेलाके अवलोकनके लाग सक्कु नगरवासीहे मेयर हमालसे आमन्तत्रणफे करले बटै ।

मल नैपाके किसान हैरान

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ कात्तिक । धान बाली भित्र्यासेकल किसान गहुँ छिट्ना ओ टिनाटावन लगैना तयारीमे रहल बटै । मने किसान ओ बिक्रेता समेत मलखाद नैपाके तनावमे रहल बटै ।

सुदूरपश्चिममे यी बेला युरिया मलके चरम अभाव रहल बा । अब्बे गहुँ, लाही, मसरी लगायत खाद्य, दलहन तथा तेलहन बाली ओ आलुलगायत मुख्य टिनाटावन लगैना बेला हो । मने किसान युरिया नैपाके हैरान रहल बटै ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-३ बडहराके किसान मधु चौधरी बालनाली लगैना बेला सुरु हुइलेसे फेन मलखाद नैपाके तनाब हुइल बटैलै ।

कैलालीके भजनी नगरपालिका-९ के डबलबहादुर बोगटी किसान मल नैपाके खेट्वा जोटके खाली बैठे परल बटैलै । 'मल कबसम आइ पटा नैहो । किसानहे जब फेन मलखादके समस्या हुइठ्,' उहाँ कहलै । सुदूरपश्चिममे मलखाद आपूर्ति तथा बिक्रि वितरण कैना निकाय कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड ओ साल्टट्रेडिङ कर्पोरेशन लिमिटेड होवइ । हाल डुनु निकायमे युरिया मल नैहो ।

'डिएपी छिटफुट रलेसे फेन युरिया भर नैहो,' साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेशन लिमिटेड प्रदेश कार्यालयके सहायक रामचन्द्र जोशी कहलै, 'कब कटरा परिमाणमे आइठ्, अब्बे कुछ कहे नैसेकजाइ । कन्ट्रसे कहिया पठाइठ् कनामे भर परी ।' सुदूरपश्चिमसे पैना मलखादके कोटामे ३० प्रतिशत साल्ट ट्रेडिङ ओ ७० प्रतिशत कषि सामग्री प्राप्त कैके बिक्रि कैना करल बटै ।

कृषि सामग्री कम्पनी प्रादेशिक कार्यालय धनगढीके प्रमुख नवसिंह बोगटी अइना मंगरके मल बिक्रि सुरु कैना प्रयास कैटी रहल बटैलै । 'दैनिक १ सय २५ मेट्रिक टन बिक्रि करे पुग्ना परिमाणमे मौज्दात हुइलेसे किल बिक्रि सुरु करठी,' बोगटी कहलै, 'बिफेसम डेढ सय मेट्रिक टन किल आपुगल बा ।' कम्पनीके प्रादेशिक कार्यालयसे *(बाँकी ४ पेजमे)*

जुवातासले गर्छ सर्वनाश

जुवातासको लतले,
❖पारिवारिक कलह, झै-झगडा हुने गर्छ,
❖सामाजिक तथा पारिवारिक वातावरण अशान्त र कोलाहलपूर्ण हुन्छ,
❖सम्पत्तिको नाश र परिवारको बिचल्ली हुन सक्छ,
❖सामाजिक र आर्थिक संकट उत्पन्न हुन्छ,
❖पारिवारिक बिखण्डनको सम्भावना बढ्छ,
❖सन्ततिहरू कुलतमा फस्न सक्छन्,
❖सामाजिक प्रतिष्ठामा आँच आउछ,
जुवातास खेल्नु/खेलाउनु कानून विपरीत भएकोले नखेलौं/नखेलाऔं !

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८७१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

विद्यालय शिक्षा सुधार मार्गचित्र

विचार
इन्द्रविलाश घिमिरे

सामुदायिक विद्यालयके शिक्षामे सुधार कैके गुणस्तर वृद्धि करना कार्यरत शिक्षकके सक्षमता वृद्धि करे परठ । विश्वविद्यालयके क्याम्पससे उत्पादन करल शिक्षाशास्त्र बिएड ओ एमएडके आधारमे शिक्षक नियुक्त करेबेर ओ शिक्षक हुइ सेक्ना मापदण्ड बनैना भरपरना नैहो । शिक्षाशास्त्र अध्ययन कैके प्रमाणपत्र प्राप्त करल शिक्षकमे विद्यार्थी शिक्षण करना कुशलता विकास हुइल नैडेखाइठ । शिक्षक छनोट करके फेन केवल शिक्षाके सैद्धान्तिक पक्षसे छनोट करजाइठ । शिक्षक हुइ चाहल उम्मेदवारमे शिक्षण करना कुशल क्षमता विकास हुइल बा नैहो कना विषयमे प्रयोगात्मक पक्षके मापन करना प्रचलन विकास हुइल नैहो । शिक्षक सेवा आयोगसे फेन केवल सैद्धान्तिक पक्षके लिखत परीक्षसे शिक्षक छनोट करठ ।

असल शिक्षक हुइना शिक्षण करना कौशलता, मूल्यांकन ओ मापन करना क्षमतामे फेन पोख्त हुइ परठ । विद्यालयके सब शिक्षकहे एक बास्केटमे ढरे खोजल नैहो । हमार शिक्षाशास्त्रके टमान कार्यक्रमसे विद्यालयमे शिक्षण करे सेक्ना योग्य शिक्षक उत्पादन करे नैसेकल टे नैहो ? विद्यालयसे विषय मिलाके शिक्षण करना व्यवस्था मिलाइ नैसेकल हो टे ? पाठ्यक्रमसे निर्धारण करल सब विषय वस्तु विद्यार्थी बुझे सेक्ना मेरिक शिक्षकसे प्रस्तुत हुइ नैसेकल कारणसे विद्यार्थी सिकाइमे पाछे परल हुइ ? एक कुशल ओ असल शिक्षक काँचो नरम माटि जस्टे बालबालिकाहे अपन कौशलताके प्रयोगसे एक सुन्दर माटिक भाँडा निर्माण करे सेक्ठैं । शिक्षकसे प्राप्त करल तालिमसे ओइसिन क्षमता, दक्षता ओ सिप हासिल नैकरल शिक्षक फेन हुइ सेकि ? ओकर परिणाम एक बालक असल नागरिक बन्नासे वञ्चित हुइ परठ । अब्बे स्थानीय सरकारके शिक्षा एकाइसे बारम्बार विद्यालय भ्रमण ओ अवलोकन करल डेखाइठ । अइसिन सतही भ्रमण अनुगमनसे शिक्षाके गुणस्तर वृद्धिमे कौनो गुणस्तर वृद्धि हुइना नैडेखाइठ ।

विद्यालय शिक्षामे गैल वर्ष ओ यी वर्षके नतिजाके तुलना कैके गैल वर्षके से यी २०८१ के परीक्षा नतिजाके सरोकार वालासे प्रशंसा करल बा । यी वर्षके एसइईके नतिजाके लेखाजोखा ओ मूल्यांकन करेबेर एकडम भारी प्रगति डेखाइठ । यी वर्षके एसइईके नतिजा ६१.८१ प्रतिशत रहे । उ परीक्षामे ३८.१९ प्रतिशत विद्यार्थी असफल होके नन्ग्रेडमे परल रहैं । परीक्षा नियन्त्रण कार्यालयके अनुसार २०८१ भदौ (१-११) गतेसम सञ्चालन हुइल पूरक परीक्षके नतिजा ५६.७८ प्रतिशत आइल बा । उ परीक्षामे फेन ४३.२२ प्रतिशत विद्यार्थी और अनुत्तीर्ण हुइल बटैं । यी वर्षके नतिजासे विद्यार्थी एकडम लाभान्वित हुइल बा ।

एसइई परीक्षाके नतिजामे प्रगति हुइल बा । का शिक्षण सिकाइ ओ मूल्यांकनमे फेन सुधार हुइल हो ? विद्यार्थीके लेख्न पहना ओ सम्झना क्षमता वृद्धि हुइल हो ? एसइईके नतिजा मजा हुइनाके कारण का का बा ? उ प्रसंगमे टमान शिक्षाविद् तर्क वितर्क ओ लेखाजोखा करले बटैं । शिक्षण सिकाइ ओ मूल्यांकन परिपाटी पुरान ढाँचामे चलल बा । ओम्ने कौनो परिवर्तन आइल बा । शिक्षण सिकाइ, मूल्यांकन प्रणाली टमान विषयके पाठ्यक्रम ओ पाठ्यपुस्तकमे हुइल परिवर्तन ओ परिमार्जन अनुसार शिक्षकहे क्षमता वृद्धिके लाग कौनो पुनर्ताजकी तालिम डेना कार्यक्रम फेन हुइल नैहो । एसइईमे हुइल प्रगतिके विषयमे अभिभावक ओ विद्यार्थी स्वयम् फेन अनविज्ञ बा ।

शिक्षण सिकाइ ओ मूल्यांकन परिपाटीमे कौनो मेरिक सुधार नैकैके विद्यार्थीके परीक्षा नतिजामे व्यापक प्रगति कैसिक हुइल ? शिक्षाके क्षेत्रमे यी एक अनुसन्धानके मूल विषय बनल बा । सामुदायिक विद्यालयके शिक्षण सिकाइमे अत्रा भारी परिवर्तन आइल हो टे ? का हम्रे कक्षाके शिक्षण सिकाइमे परिवर्तन कैके विद्यार्थीहे सक्षम कराइल हो टे ? नैहो कलेसे, हमार मूल्यांकन ओ परीक्षा प्रणालीमे कमजोरी हुइल टे नैहो ? गुणस्तर वृद्धिके लाग कौनो सुधारके कार्यक्रमबिना नतिजामे व्यापक प्रगति हुइल डेखाइल बा । कैसिक अत्रा भारी प्रगति हुइल शिक्षाके सराकारवाला शंका करना स्वाभाविक हो ।

अभिभावक ओ विद्यार्थीसे खोजल फेन नतिजा हो । विद्यार्थीके प्रमाणपत्रमे उल्लेख हुइल अनुसारके दक्षता ओ सिपके विकास हुइल बा नैहो, उ विषयमे गहन अध्ययन कैके कहाँ का कैसिन कमजोरी हुइल बा कना पत्ता लगाके तत्काल योजनाबद्ध कार्यक्रम निर्माण कैके उपचार करे सेकल अवस्थामे किल शिक्षमे गुणस्तर वृद्धि हुइ सेकि ।

नेपालके सहरसे गाउँसमके अधिकांश सामुदायिक विद्यालयके विद्यालय भवन, कक्षा कोठा, फर्निचर, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेलमैदान, दिवा खाजा ओ विद्यालयमे अइना जैना बसके सुविधासमेत उपलब्ध बा । शिक्षक सब तालिमप्राप्त बा । आवश्यक किलमे दरबन्दी फेन उपलब्ध बा । टबफेन शिक्षाके गुणस्तरमे वृद्धि हुइ सेकल नैहो । यी वर्षके एसइईके नतिजासे शिक्षामे गुणस्तर वृद्धि हुइल डेखाइठ । का एसइईमे कुछ प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हँइटिमे शिक्षामे सुधार आके ओ गुणस्तर वृद्धि हुइल कना सेकि ?

गैल चैत महिनामे हुइल एसइईके परीक्षामे चार लाख ३८ हजार ८९६ परीक्षार्थी सम्मिलित रहे । उमध्ये २ लाख ७१ हजार २९९ (६१.८१५) विद्यार्थी उत्तीर्ण हुइल रहैं । ओम्ने एक लाख ६७ हजार ५९७ विद्यार्थी नन्ग्रेडमे परल रहैं । उ विद्यार्थीके लाग गैल भदौ (१-११) गतेसम ग्रेडवृद्धि पूरक परीक्षा हुइल रहे । उ परीक्षामे दुई लाख १० हजार ३२१ विद्यार्थी सम्मिलित रहैं । उमध्ये एक लाख ११ हजार ४२५ (५६.७८५) विद्यार्थी ग्रेड वृद्धि पूरक परीक्षा उत्तीर्ण करना सफल हुइलैं । गैल वर्षके परीक्षाके नतिजासे यी वर्षके नतिजा एकडम मजा डेखाइठ । परीक्षाके नतिजा मजा कैसिक हुइल ? उ विषयमे गहन अनुसन्धान ओ खोज हुइपरना डेखाइठ । शिक्षामे गुणस्तर वृद्धि होके परीक्षाके नतिजा मजा आइल हो वा परीक्षाके नतिजा किल मजा डेखाइल हो ? शिक्षाके गुणस्तर वृद्धि टे हुइल नैहो । कुछ विद्यालयके नतिजा शून्य अवस्थामे बा ।

विद्यालय जत्राफेन सम्पन्न हुइलेसे फेन कक्षा शिक्षण ओ परीक्षा लेना परिपाटीमे कौनो परिवर्तन आइल नैहो । परिणाम विद्यार्थी ओकर सिकार हुइल बा । जोन विषय अभिभावकसे बुझ्ना मौका पैले नैहो । अभिभावक केवल मार्कसिटके अंक हेरना हो । जोन अंक देखके अभिभावक मख्ख हुइठ । उ विद्यार्थीसे लेखल नानल अंक रहे नैरहे ? अभिभावकसे चाहल अंक शिक्षक डेले रठैं । यकर अर्थ विद्यार्थी जोन कक्षामे जा जत्रा सिखेपरना हो ? उ सिक्ना अवसर पैले नैरहठ । विद्यार्थी ओ शिक्षक कक्षामे नियमित रठैं शिक्षक पुस्तक पह्ठैं, विद्यार्थी शिक्षकसे पहल सुनल रहठ । कुछ विद्यार्थी शिक्षकसे सिकल कुछ फेन सिख्ले नैरठैं । यी अधिकांश सामुदायिक विद्यालयके रोग हो ।

विद्यालयमे शिक्षण करना अधिकांश शिक्षकके अन्तरआत्माके ह्दयसे अपन विद्यार्थीहे कैसिक दक्ष ओ योग्य बनाइ सेक्जाइ कना सकारात्मक सोचके विकास करे सेक्ले नैरठैं । कक्षाके प्रत्येक विद्यार्थीके मनोभावनाहे बुझके शिक्षण करना शिक्षक तयार करे सेके परठ । शिक्षक मनोवैज्ञानिक मेरिक गहन तालिम लेना अवसर फेन टे पैले नैहो ।

कक्षाके विद्यार्थी सब समान क्षमता रहल नैरठैं । शिक्षक समान क्षमता रहल समझके शिक्षण करना करठ । समुदायके विविध सामाजिक, आर्थिक ओ सांस्कृतिक अवस्थाके विद्यार्थीके क्षमता पत्ता लगाके शिक्षण करेपरना रहठ । प्रत्येक विद्यार्थीके अवस्था ओ क्षमताहे बुझके शिक्षण करे सेक्लेसे सबजे सिखे सेक्ठैं । गुणस्तर वृद्धि करे सेक्जाइ । सर्वप्रथम शिक्षक दक्ष हुइ परठ । शिक्षक दक्ष हुइना कलेक केवल शिक्षण करना किल नैहो, स्तरीय प्रश्न पत्र निर्माण करना ओ विद्यार्थीके यथार्थ मूल्यांकन करना फेन सक्षम हुइ परठ ।

शिक्षक अपन शिक्षण करना विषयके पाठ्यक्रममे प्रस्तुत हुइल उद्देश्य प्राप्तिके लाग तयार करल विशिष्टीकरण तालिकाके आधारमे गुणस्तरीय प्रश्नपत्र निर्माण करना योग्य शिक्षकके फेन अभाव बा । प्रश्न पत्र निर्माण करेबेर ज्ञान, सिप ओ धारणा जैसिन सब पक्षहे समके कौनो पाठ शीर्षकसे कैसिन प्रश्न कत्रा अंक ओ कत्रा समय डेना कना विषयमे फेन शिक्षक पोख्त हुइ परठ । प्रस्तुत विषय शिक्षाके गुणस्तर वृद्धि करना प्रमुख आधार हो ।

विद्यालयके भौतिक सुविधा जुटैनासे कार्यरत अधिकांश शिक्षकहे विद्यार्थी शिक्षण करना, मूल्यांकन करना कुशल ओ दक्ष बनाइपरल बा । शिक्षकहे शिक्षण ओ मूल्यांकन करना दक्ष कराइ सेक्लेसे औरे तपसिलके विषय अप्नही सुधार हुइ । कौनो एक शिक्षक कौनो उमेर समूह ओ तहके विद्यार्थीके परीक्षण कैके स्तर निर्धारण करल अवस्थामे उ विद्यार्थीहे अन्य कौनो फेन शिक्षक अन्यत्र कौनो स्थान ओ समयमे उ विषयमे परीक्षण ओ मूल्यांकन कैके*(बाँकी ३ पेजमे)*

> शिक्षक अपन शिक्षण करना विषयके पाठ्यक्रममे प्रस्तुत हुइल उद्देश्य प्राप्तिके लाग तयार करल विशिष्टीकरण तालिकाके आधारमे गुणस्तरीय प्रश्नपत्र निर्माण करना योग्य शिक्षकके फेन अभाव बा । प्रश्न पत्र निर्माण करेबेर ज्ञान, सिप ओ धारणा जैसिन सब पक्षहे समके कौनो पाठ शीर्षकसे कैसिन प्रश्न कत्रा अंक ओ कत्रा समय डेना कना विषयमे फेन शिक्षक पोख्त हुइ परठ । प्रस्तुत विषय शिक्षाके गुणस्तर वृद्धि करना प्रमुख आधार हो । विद्यालयके भौतिक सुविधा जुटैनासे कार्यरत अधिकांश शिक्षकहे विद्यार्थी शिक्षण करना, मूल्यांकन करना कुशल ओ दक्ष बनाइपरल बा । शिक्षकहे शिक्षण ओ मूल्यांकन करना दक्ष कराइ सेक्लेसे औरे तपसिलके विषय अप्नही सुधार हुइ । कौनो एक शिक्षक कौनो उमेर समूह ओ तहके विद्यार्थीके परीक्षण कैके स्तर निर्धारण करल अवस्थामे उ विद्यार्थीहे अन्य कौनो फेन शिक्षक अन्यत्र कौनो स्थान ओ समयमे उ विषयमे परीक्षण ओ मूल्यांकन कैके उ विद्यार्थीके शैक्षिक स्तरमे कौनो फरक परे नैपरठ । कौनो फेन स्थान ओ समयमे उ विद्यार्थीके परीक्षण होके गुणस्तरमे फरक परे नैपरल । हमार विद्यालयके शिक्षक कक्षा ९ मे परीक्षा लेके सब विद्यार्थी उत्तीर्ण करठैं मने कक्षा १० के परीक्षामे उ सब विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुइठैं । अइसिन मूल्यांकन ओ परीक्षण कैसिक हुइ ? अइसिन कमजोरी काहे ओ कैसिन हुइल ? अइसिन त्रुटि पत्ता लगैना शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयसे गहन अध्ययन अनुसन्धान करेपरना डेखाइठ । अनुसन्धानसे औंल्याइल त्रुटिहे निराकरण करे सेकल अवस्थामे किल शिक्षामे गुणस्तर वृद्धि हुइल बा ।

सफलता सहकारीके सदस्यहे निसर्गमे २० प्रतिशत छुट

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ कार्तिक । धनगढीस्थित निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रालि ओ सफलता महिला विकास बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लि.बीच सहकारीके सदस्यनहे स्वास्थ्य उपचारमे छुट डेना सम्झौता हुइल बा ।

शुकके सम्पन्न सम्झौता अनुसार सहकारीके शेयर सदस्यहुक्के निसर्ग हस्पिटलमे टमान स्वास्थ्य सेवामे ५ से २० प्रतिशतसम छुट पैना हुइल बटै ।

सम्झौताअनुसार, सहकारीसे पठाइल बिरामीसे संस्थाके सिफारिस पत्र ओ बिरामीके परिचय खुल्न कागजात पेश करेपर्ना बा । छुटके दायरामे अस्पताल भर्ना, सर्जरी, ल्याब परीक्षण, एक्स-रे, ईसीजी, ईको, औषधि लगायतके सेवा समावेश बटै ।

सम्झौतामे निसर्ग हस्पिटलके अध्यक्ष तिर्थराज पन्त ओ सफलता सहकारीके अध्यक्ष खगेश्वरी जोशी हस्ताक्षर करले बटै ।

सम्झौता कार्यान्वयनमे आइलपाछे सहकारीके सदस्यहुकनहे गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा सहज ओ सुलभ दरमे उपलब्ध हुइना अपेक्षा करल बा ।

रेशम चौधरीके दाबी- मै भाग लेहे नैपैले देशमे फेर चुनाव नैहुई

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १४ कार्तिक । नागरिक उन्मुक्ति पार्टी, नेपालके संरक्षक रेशम चौधरीसे अपने चुनावमे भाग लेहे नैपैलेसे देशमे फेर चुनाव नइहुइना दाबी करले बटै ।

शुकके राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) से आयोजना करल वृहत् राजनीतिक संवादमे बोल्न क्रममे उहाँ अपनेसहत लक्ष्मण थारु ओ धनिराम थारु लगायतसे चुनाव लरे नैपैलेसे फेरसे देशमे चुनाव नइना जिकिर करलै ।

'चुनाव रेशम थारू, लक्ष्मण थारू ओ धनिराम थारू यी चुनावमे भाग लेहे नैपैलेसे भर मै यी मञ्चसे कहम यी देशमे फेर चुनाव नैहुई,' चौधरी कहलै, 'सिंगो समुदायके विद्रोहहे पन्छाके चुनाव हुई ? नेपाली कांग्रेस, नेकपा एमालेके इतिहास का रहे ? शेरबहादुर, ओली ओ प्रचण्डके इतिहास का रहे ? जेनजीके इतिहास का बा ?'

साथे, उहाँ अब्बे अपनहे चुनाव लरे नैडेना कहिके जेनजी अगुवा पुरुषोत्तम यादव कहटी नेंगल बटैटी उ प्रति आपत्ति जनैलै ।

'अब्बे चुनाव लरे नैडेम कहठै । पुरुषोत्तम यादवजी कहलै, नेता हुई नैडेब कहठै । देश परिवर्तन कैना हम्रे, संविधानमे अधिकार ल्यानपरल कहिके लरना हम्रे, कलम चलुइया फैसला करडेना ? ओ उ फैसलाहे हम्रे मानडेहे पर्ना ?,' चौधरी कहले बटै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्कनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्कनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्कनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

–सम्पादक

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अतरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९९६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लाढेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२५६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२५४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२३२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२३४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५३, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
ढमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३२७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२५६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

साहित्यिक फूलरिया

गजल

✍सागर कुस्मी

अकेली जिन्गी कटैना कर्रा बा।
इ मनके बह्वा बटैना कर्रा बा।

जबाना अइसिन बडलगैल कि,
मनैनके लगाम लगैना कर्रा बा।

बर्हटि जाइटा दिलके हलकोरा,
आबटे डुख पीर घटैना कर्रा बा।

कहोंर गइल हमार संस्कार,
विकृति रीत हटैना कर्रा बा।

नैरहल केकरो भरोसा आब,
विश्वास फेन करैना कर्रा बा।

कैलारी-८, डखिखन टेंर्हो कैलाली

गजल

✍लब्लिन क्यानभास

भुखाइल प्याटले काम कर नैसेक्जाइट कबु।
सक्कुनके मन खुशीम ढर नैसेक्जाइट कबु।

आफ प्यास मेटो काल फें ओस्ट हो यी मन ट,
भरल डेही अस टम्म भर नैसेक्जाइट कबु।

यी मैयाँ कना चिज के बनाइल हुइ हो गोची,
कि कर्ना लग्लसे अन्त सर नैसेक्जाइट कबु।

ठाई बोली बचनले पीर लाग सेक्ठा गोचा गोचिन,
ठाई बोली बचनले छल कर नैसेक्जाइट कबु।

यी बिचम पर्ना मनैनके कौनो काम नैहो यिहाँ,
ना उप्पर चौहो नअतर झर नैसेक्जाइट कबु।

घोराही, दाङ

गजल

✍दुःखराम चौधरी

लागल बर्खा बर्सल पानी खेटवा लगाइ लग्लाँ।
भिन्सरियासे घरक सक्कु लर्कन जगाइ लग्लाँ।

घाम लागल छट्री ओहोर्के बियार काटे लग्लि,
हरयार बियारसे सक्कुजे खेटवा सजाइ लग्लाँ।

फरुह्वा खेलैटि गैंगटा बिन्लि मेर्वा बन्ढिल,
हर जोट्टी चारुओर सबजे लेवा बनाइ लग्लाँ।

कुल्वा कुल्या झरलाँ सक्कु गाउँक किसान,
खेटवम रहल झार झेल्कुट फे हटाइ लग्लाँ।

बर्खाभर बियार बैठैलि हाँठ गोरा सरल हमार,
काह्ल सेकिबे खेटवा हम्रे कैहिके बटाइ लग्लाँ।

बारबर्दिया-११ अकलघरुवा, बर्दिया

गजल

✍रमेश दंगाली

मेरमेरिक मनम सोचाइ सिखाइल गरिबि।
छिटिमसे भर्वा बोकाइ सिखाइल गरिबि।

मिठ बोल्क लुटल बाट स्वार्थी दुनियाँम,
ठग्ठाँ दुनियाँ भोगाइ सिखाइल गरिबी।

बाजि लगालगा अविस्कार कर्ठा कम्पनी,
मजा निमजा रोजाइ सिखाइल गरिबी।

चाहा पढ्ले मारो चाहा बचनले वार करो,
बस्कल खाटिफें चोखाइ सिखाइल गरिबी।

कृया निखाइल हुँ साथ डिहेम जुनि भर,
झर्ठ आँस अप्नह पोछाइ सिखाइल गरिबी।

तुल्सीपुर, दाङ

साप्ताहिक बाल स्तम्भ

सिम्रन चौधरी, कक्षाः ८
नवदुर्गा माध्यमिक विद्यालय
धनगढी, कैलाली

मान्शी चौधरी, कक्षाः ५
वेष्टर्न क्रिष्टल एकेडेमी, धनगढी, कैलाली

वर्षाके बिच धान उठैटि किसान

गुल्मी, १४ कार्तिक । पाकल धान उठैना बेला वर्षा हुइलपाछे किसानके धान खेतमे डुबल बा । लगातार तीन दिनसे पानी परल बा । किसान कुछ फेन जोगल कि कहिके पानी–पानीमे धान उठाइल बा ।

धुर्कोट गाउँपालिका–४, जैसीथोकके पीताम्बर पोखे्रलके दुई ठाउँके खेतमे कैके २२/२५ मुरी धान उत्पादन हुइठ । पोखे्रल एक ठाउँके धान हलि पाकल ओरसे तिहारआघे स्याहरले रहैं ।

कात्तिक ९ गते काटल धान पानीसे भिजलपाछे उठैलैं । लम्मा वर्षा होके खेतमे जम्ना डरसे पानी–पानीमे धान उठैना बाध्य हुइल पोखे्रल बटैलैं ।

मुसिकोट नगरपालिका–७ के सुदिके फाँटमे टमान किसानके धान खेतमे डुबल बा । अमर कुमाल श्रमिक काम करठैं । उहाँ औरेक अधियाँ धान खेती करटि आइल बा । असारमे दुःख कैके लगाइल मजासँग धान स्याहरना आशा रहे । वर्षासे झरना ओ भिजल ओरसे स्वभाविक रुपमे उत्पादन मजा नैहुइना कुमाल बटैलैं ।

मुसिकोट नगरपालिका–२ के मानबहादुर खत्रीके फेन खेतभर अपनसहित ३०/३५ घरधनीके धान पानीसे डुबल बा । इस्मा गाउँपालिका–६ के अगुवा कृषक कृष्ण घिमिरे अपन धान डुब्लेसे फेन नैउठाइल बटैलैं । धान सरना ओ जम्ना समस्या रलेसे फेन कुछ झरीमे धान उठाइल घिमिरे बटैलैं ।

कृषि ज्ञान केन्द्र गुल्मीके सूचना अधिकारी टीकाराम न्यौपाने बर्सातसे समग्र धान उत्पादनमे क्षति पुग्ना बटैलैं । उहाँ पाकल ओ काटलहे ढेर असर ओ फूल खेलल तापक्रम खोजल धानहे फेन वर्षा असर करल बटैलैं ।

गुल्मीमे गैल वर्ष सात हजार १२० हेक्टर क्षेत्रफलमे धान रोपाइँ होके २३ हजार १४० मेट्रिक टन उत्पादन हुइल रहे । सूचना अधिकारी टीकाराम न्यौपानेके अनुसार यी वर्ष सात हजार ४८ हेक्टर क्षेत्रफलमे २२ हजार ९१० मेट्रिक टन उत्पादन हुइना अनुमान करल रहे । यी वर्षासे दुई हजार २२० मेट्रिकटन धान उत्पादन घट्ना अनुमान करल न्यौपाने बटैलैं ।

गुल्मीदरबारके गरमटारी, खर्ज्याङ घोडाहाफाँट, टारीफाँट, छत्रकोटके खर्ज्याङ, मनबाग, अँगा, उल्लीखोला, बोआ फाँट ओ रुरु क्षेत्रके टाहाटिम लगायतके स्थानमे धानके उत्पादन हुइना कृषि ज्ञान केन्द्र गुल्मी जनैले बा ।

विद्यालय शिक्षा...

उ विद्यार्थीके शैक्षिक स्तरमे कौनो फरक परे नैपरठ । कौनो फेन स्थान ओ समयमे उ विद्यार्थीके परीक्षण होके गुणस्तरमे फरक परे नैपरल । हमार विद्यालयके शिक्षक कक्षा ९ मे परीक्षा लेके सब विद्यार्थी उत्तीर्ण करठैं मने कक्षा १० के परीक्षामे उ सब विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुइठैं । अइसिन मूल्यांकन ओ परीक्षण कैसिक हुइ ? अइसिन कमजोरी काहे ओ कैसिन हुइल ? अइसिन त्रुटि पत्ता लगैना शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयसे गहन अध्ययन अनुसन्धान करेपरना डेखाइठ । अनुसन्धानसे औँल्याइल त्रुटिहे निराकरण करे सेकल अवस्थामे किल शिक्षामे गुणस्तर वृद्धि हुइल बा ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

प्रदेश सभा बैठक...

सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक ओ कुछ उद्योग तथा वन सम्बन्धी ऐनहे संशोधन कैना बनल विधेयकपेः विचाराधीन अवस्थामे बटै । विचाराधीन अवस्थामे रहल मध्ये दफावार छलफलके लाग दुई ठो विधेयक अपन समितिमे अइना सभापति पाठक बटैलै । यिहे बिच, प्रदेश सभा अन्तर्गतके विषयगत समितिके कार्यालय ओ कागजात जरल ओरसे समितिके कामकाजफे अब्बे ठप्प बटै । प्रदेश सभा अन्तर्गत पाँच ठो विषयगत समिति रहल बटै ।

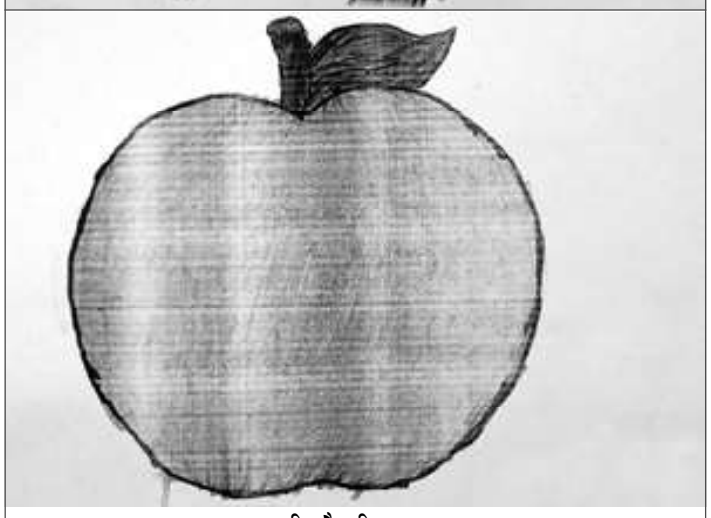

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।– अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

महाकाली सिँचाइ आयोजना मुआब्जा वितरणमे सकस

कञ्चनपुर, १४ कात्तिक । कञ्चनपुर ओ कैलालीके ३३ हजार ५२० हेक्टर क्षेत्रफलमे सिँचाइ सुविधा पुगैना लक्ष्यसहित १८ बरस आघे सुरु करल महाकाली सिँचाइ आयोजना तेस्रो चरणके प्रगति २७ प्रतिशतमे सीमित बा ।

बजेट अभाव, जग्गा मुआब्जा वितरणमे सकस ओ रुख्वा कटानलगायत विविध कारणसे सिँचाइ आयोजनाके प्रगति सोचल अनुरूप हुइ नैसेकल हो । मने पाछेक कुछ बरस यहोर आयोजनाहे सरकारसे राष्ट्रिय गौरवके आयोजनाके रूपमे स्तरोन्नति करल यहोर भर कामसे तीव्रता पाइल महाकाली सिँचाइ आयोजना तेस्रो चरणके सिडीई राजेशभक्त पोखरेल जानकारी डेलै ।

"राष्ट्रिय गौरवके आयोजनामे समाहित हुइनासे आघे मूल नहर निर्माणके प्रगति कम रहे", सिडीई पोखरेल कहलै, "अब्बे कैलालीके मालाखेतीसम १९ किलोमिटर मूल नहर निर्माण चार प्याकेजमे हुइटी रहल बा ।" चार प्याकेजके मूल नहर निर्माणके लाग रु एक अर्ब ९७ करोडके ठेक्का सम्झौता करल बा । करिब दुई बरस आघे करल ठेक्का सम्झौता समयमे नैओरैना हुइलपाछे चार प्याकेजमे पहिलचो कुछ समयआघे म्याद थपसमेत करल बा ।

आर्थिक बरस २०८२/८३ के बजेट प्रस्तुत कैटी महाकाली सिँचाइ आयोजनाके तेस्रो चरणके कार्य तीन बरसभिटरे पूरा कैना लक्ष्य सरकारके रहल बा । आव २०६३/६४ से महाकाली सिँचाइ तेस्रो चरणके आयोजना सुरु हुइल हो कलेसे आव २०७६/७७ मे राष्ट्रिय गौरवके आयोजनामे समावेश सरकारसे करल रहे । हालसम मूल नहरअन्तर्गत ब्रह्मदेव (जिरो प्वाइन्ट)से यहाँके शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके फुलेलीसम २८.८ किलोमिटर मूल नहर निर्माण होसेकल सिडीई पोखरेल जानकारी डेलै ।

भारतीय पक्षसे फेन टनकपुरसे नेपाल-भारत सिमानासम महाकाली सन्धिअनुसार बनाइपर्ना एक हजार २०० मिटर मूल नहर निर्माण करसेकल बा । दशकौँ समय पाछे भारतीय पक्षसे सिमानासम नहर ओ हेडरेगुलेटरलगायतके संचना तयार कैलेसे फेन निर्माण सम्पन्न हुइल क्षेत्रसम पानी डेना भारतीय पक्ष सकरात्मक नैहो ।

"मूल नहर तयार हुइल फुलेलीसम पानी लागनक लाग कौनो समस्या नैहो, पाँच-सातठो शाखा नहरसमेत निर्माण करल बा", पोखरेल कहलै, "पानीके लाग ताकेता फेन हुइल बा ।" उहाँ हालसम आयोजनाके प्रगति २७ प्रतिशत पुगल बटैटी हालसम आयोजनामे रु नौ अर्ब लगानी होसेकल जानकारी डेलै ।

करिब दुई बरसआघेसम मालाखेतीसम चार प्याकेजमे मूल नहर निर्माण हुइटी रहल बा । "मुआब्जा निर्धारणमे स्थानीयके असन्तुष्टि, जग्गाके समस्या ओ रुख्वा कटानके अल्झनलगायतके कारणसे कामसे गति लेहे नैसेकल", उहाँ कहलै, "पाछक समय आयोजनाके लाग बजेट अभावके समस्या भर नैहो ।" आयोजनाअन्तर्गत महाकाली लडियामे पानी सिँचाइके लाग कैलालीके मालाखेती, कञ्चनपुरके दक्षिणी क्षेत्र त्रिभुवनबस्ती, गुलरिया ओ दोधारा चादँनी पुगाजैना बा बा । ओकर लाग कुल एक सय ५१ किलोमिटर नहर निर्माण करे पर्ना बा ।

आयोजना कार्यालयसे आगामी २०८७ सम कैलालीके मालाखेतीसमके नहर निर्माण सेक्ना लक्ष्यके साथ आघे बह्रल जनाइल बा । कञ्चनपुरमे किल कुल खेतीयोग्य जमिन एक लाख ६१ हजार ७४१ हेक्टर बा । उ मध्ये ५९ हजार ६०२ हेक्टर अर्थात् ३६ प्रतिशत जमिनमे खेती हुइठ् । यहाँ २९ प्रतिशत क्षेत्रफलमे किल सिँचाइ सुविधा उपलब्ध बा कलेसे यहाँ किसान अकासे पानीके भरमे फेन खेती करे पर्ना बाध्यता विद्यमान रहल बा ।

महाकाली सिँचाइ आयोजना पहिल ओ डुसरा चरणसे ११ हजार ६०० हेक्टर क्षेत्रफलमे सिचाँइ सुविधा पुगल बा । पहिल ओ डुसरा चरणके सिँचाइसे यहाँको भीमदत्त ओ बेदकोट नगरपालिकाके साथे दक्षिण क्षेत्रमे रहल बेलडाँडी गाउँपालिकासम सिचाँइ सुविधा पुगल रहे ।

जाँचबुझ आयोगसे क्षतिके विवरण संकलन

कञ्चनपुर, १४ कात्तिक । गत भदौ २४ गते हुइल जेनजी आन्दोलनके क्रममे कञ्चनपुरमे हुइल क्षतिके जाँचबुझ आयोगसे विवरण संकलन करे लागल बा । आयोगके सदस्य विश्वेश्वरप्रसाद भण्डारी कञ्चनपुरमे आगजनी ओ तोडफोडसे हुइल क्षतिके विवरण संकलन करल हो ।

आयोगके सदस्य भण्डारी, कञ्चनपुरके प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकाल ओ जिल्लास्थित सुरक्षा निकायके प्रमुख जेनजी आन्दोलनके क्रममे हुइल घटनाके विवरण सक्तलन करल हो ।

उहे क्रममे आयोगके सदस्य भण्डारी आन्दोलनमे क्षतिग्रस्त महेन्द्रनगरस्थित निवर्तमान गृहमन्त्री रमेश लेखक, सुदूरपश्चिम प्रदेशके पूर्वमुख्यमन्त्री राजेन्द्रसिंह रावल, नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एमाले) के नेता निरुदेवी पाल ओ भीमदत्त नगरपालिकाके पूर्वप्रमुख सुरेन्द्र विष्टके क्षतिग्रस्त घरके निरीक्षण फेन करल रहिट ।

आयोगके सदस्य भण्डारी जिल्लास्थित सरकारी कार्यालयके प्रमुख, पालिकाके प्रमुख एवं आन्दोलनके क्रममे पीडितसँग अन्तरक्रिया करल रहे । अन्तरक्रियामे यहाँके बेदकोट नगरपालिकाके नगरप्रमुख भोजराज बोहरा आन्दोलनमे व्यक्तिके घर ओ सम्पत्ति आगजनी ओ लुटपाट हुइल बटैटी उक्त घटनाके छानबिन हुइ पर्ना बटैलै ।

"कौनो व्यक्ति भ्रष्टाचारमे संलग्न बा कलेसे उहीहे कारबाहीके दायरामे लन्ना हो मने यहाँ निजी सम्पत्तिमे आगजनी ओ लुटपाट हुइल बा," उहाँ क्हलै,"उक्त घटनाके छानबिन कैके दोषीहे सरकारसे कारबाही करे परल ।" उहाँ आपन घरमे आगजनी ओ लुटपाटसे रु ६२ लाख बराबरके क्षति हुइल बटैलै ।

छलफलमे सहभागी अन्य पालिकाके प्रमुख समेत उक्त घटनाके दोषीहे कारबाहीके दायरामे लाने पर्ना धारणा राखल रहिट । सदस्य भण्डारी आयोगसे आन्दोलनके क्रममे हुइल क्षतिके विवरण संकलन कैके सरकारहे सिफारिस कैना बटैलै ।

"आन्दोलनमे हुइल क्षतिके कटरा क्षतिपूर्ति डेहे सेकजाइठ् उ राज्यसे करी," उहाँ कहलै, "आयोगसे राज्यहे घटनामे हुइल क्षति विवरण संकलन कैके सिफारिस करब ।" अन्तरक्रिया कार्यक्रममे जिल्लाके स्थानीय तहके प्रमुख, आन्दोलनके क्रममे पीडित हुइल परिवारके सदस्य सहभागी हुइल रहिट ।

शुक्लाफाँटा निकुञ्ज विस्थापितके पीडा

कञ्चनपुर, १४ कात्तिक । जिल्ला प्रशासन कार्यालय कञ्चनपुरके मुल ढोका आघे शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुजसे विस्थापित परिवार भर्खरे रिले अनशनमे बैठल रहिट । अनशनके क्रममे सद्भर्ष समितिका अध्यक्ष जयबहादुर रोकाया पुर्नस्थापनाके विषय अढाई दशक पुग्लेसे फेन सुनुवाई नैहुइल प्रति चिन्ता व्यक्त करलै ।

मुलुकमे व्यवस्था परिर्वतन हुइल लम्मा समय बिट्लेसे फेन पीडित नेता ओ सरकारके आश्वासन किल पाइल दुखेसो पोख्लै । "वि.सं.२०५८ सालमे निकुञ्ज विस्तारके क्रममे जग्गा वा कौनो सुविधा नैपाइल परिवार २०६४ सालमे निकुञ्जके ढक्का शिविरमे जग्गा कब्जा कैके बैठलै ।" उहाँ कहलै, "हमार माग पीडित परिवारके पुर्नस्थापन हो, निकुञ्जके जग्गा कब्जा टे केबल दबाब डेना उद्देश्यसे लेहल हो ।"

उहाँ पीडितके माग सम्बोधनके लाग ३३ आयोग बनसेकल रलेसे फेन पीडितप्रति राज्यसे उपेक्षा करल आरोप लगैलै । गत सावनसे यहाँके तीन स्थापनमे हड्ताल करल पीडित कुछ दिनआघे जिल्ला प्रशासन कार्यालयके मुल गेटमे रिले अनशन सुरु करल रहिट । अब्बे पीडितके रिले अनशन डिभिजन वन कार्यालय केन्द्रीत बा ।

"हम्रे आन्दोलन करेबर केन्द्रसे आके हुइलेसे फेन उधारो सहमति कैके धोका डेना काम हुइल ।" अध्यक्ष रोकाया कहलै, "जिल्लामे म टे हम्रहीनहे पार्टीके नेता चुनावके बेला भोट मँग्लै, पीडितके समस्या समाधान कैना घोषणापत्र बनैलै मने पीडितहे न्याय भर कहींसे नैहुइल ।" ढक्का शिविरमे आश्रय लेटी रहल पीडित बन्यजन्तुके आक्रमणसे हरेक वर्ष ज्यान गुमैटी आइल बटै ।

यहाँका नागरिक आधारभुत सेवा सुविधासमेतसे बञ्जित बटै । तत्कालिन शुक्लाफाँटा वन्यजन्तु आरक्ष हालके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज) विस्तारके क्रममे २०५८ सालमे विस्तापित हुइल आरक्ष विस्थापित यहाँ बसोबास करटी रहल बटै । ऐलानी जग्गामे बसोबास करटी रहल निकुञ्ज विस्थापित करिब दुई हजार परिवारमध्ये ६०४ परिवार ढक्का शिविरमे बैठ्टी आइल बटै कलेसे अन्य विस्थापित शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज ओ राष्ट्रिय वन क्षेत्रमे १४ ठो शिविरमे बसोबास कैटी आइल बटै ।

निकुञ्ज विस्थापित मोतिलाल डुगौरा आरक्ष विस्थापितके लाग सरकारसे घरी घरी कैके ३३ आयोग बन्लेसे फेन पीडितके समस्या समाधान हुइ नैसेकल दुखेसो पोख्लै । "विस्थापित हुइना बेला लालपुर्जा नैरहे सट्टा भर्ना नैमिलल्, उ बेला लालपूर्जा रहल ओरसे सरकारसे सट्टा भर्ना पाइल रहुँ ।" डुंगौरा कहलै, "हमार व्यवस्थापनके लाग सरकारसे बेर बेर आयोग गठन टे करल उ आयोगसे समस्या समाधान कैनाके साटो विस्थापितके संख्या थपघट कैना काम बाहेक कुछ नैकरल ।"

यहोर सरकारसे निकुञ्ज विस्तारके क्रममे विस्थापित हुइलहे व्यवस्थापन करक लाग सरकारसे २०३७ सालमे अमृतमान श्रेष्ठके अध्यक्षतामे आयोग गठन करल रहे । उक्त आयोगसे जग्गाके लालपूर्जा रहल ६२ परिवारहे ४४४ विघा जग्गा सट्टा भर्ना डेहल रहे ।

आयोग पाछे २०३८ सालमे सर्वज्ञराज पण्डितके अध्यक्षता ओ २०४२ सालमे युगनाथ शर्माके अध्यक्षतामे बनल आयोगसे दुई हजार १७५ परिवारहे दुई हजार २३० बिघा जग्गा सट्टाभर्ना डेहल डेखजाइठ् । २०४४ सालपाछेक आयोगसे ऐलानी जग्गामे बसोबास करल आरक्ष विस्थापितके लगत संकलन कैना ओ थपघट कैना बाहेक काम करल नैडेखजाइठ् ।

"आयोग गठनके नाउँमे कार्यकर्ताहे व्यवस्थापनके केन्द्र बनागैल ।" डुंगौरा कहलै, "मने पीडितके पुर्नस्थापन आभिन ओझेलमे बा ।" वि.सं.२०७१ सालमे पुनरावेदन अदालतके पूर्वन्यायधीश ठाकुरप्रसाद शर्माके अध्यक्षतामे आयोग गठन करल रहे । उक्त आयोगसे विगतके आयोगसे प्रमाणिकरण करल मध्ये क वर्गमे १४८० ख मे २५६ ओ ग मे २४४ परिवारके व्यवस्थापन कैना सरकारहे सिफारिस कैलेसे फेन विस्थापितके व्यवस्थापन बाँकी बा ।

ओकरपाछे तत्कालीन क्षेत्रीय वन निर्देशक सुधीर कोइरालाके अध्यक्षतामे बनल आयोगसे कौनो काम नैकरल । उक्त आयोगपाछे सुरेन्द्र बमके अध्यक्षतामे आयोग गठन करगैल । उक्त आयोगसे एक हजार ४८० परिवारमे फेन छानबिन कैके वास्तविक विस्थापितहे १० कट्ठासम जमिन वा ६० लाख नगद डेहे पर्ना सुझाव सरकारहे डेहल बा । उ सुझाव पेस करल कुछ समयमे सरकारसे २०७८ सालमे पुनः दलबहादुर बोहरा नेतृत्वके ३२ औँ आयोग गठन करल रहे ।

उक्त आयोगसे फेन विस्थापितके समस्या समाधान करे नैसेकल । सरकारसे २०८१ सालमे उच्च अदालतके पूर्वन्यायधीश जयानन्द पनेरुके अध्यक्षतामे ३३ औँ आयोग गठन करल रहे । पनेरु नेतृत्वके आयोगसे ठाकुरप्रसाद शर्मा आयोगसे सिफारिस करल आधारमे छिटपुट रहल पीडितके लगत सक्तलन कैके दुई हजार २७ परिवारके व्यवस्थापन कैना सरकारहे सिफारिस करले बा ।

कञ्चनपुरके प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकाल निकुञ्ज विस्थापितसे यहाँ लम्मा समयसे आपन माग रख्टी आइल बटैलै । "पीडितके नाउँमे पाछेक समय कृष्णपुर नगरपालिकामे दुईचो बन अतिक्रमणके प्रयास हुइल ।" प्रजिअ ढकाल कहलै, "माग रख्ना, पीडा पोख्ना नाउँमे वन अतिक्रमण करे नैडेजाइ ।"

मल नैपाके...

कञ्चनपुर ओ डोटीबाहेकके जिल्लाके किसानके लाग मल बिक्रिवितरण कैटी आइल बा । कञ्चनपुर ओ डोटीमे कम्पनीके अपने कार्यालय बा ।

प्रादेशिक कार्यालय प्रमुख बोगटीके अनुसार सुदूरपश्चिममे भैरहवासे मल अइना करल बा । नेपालमे कूल आयात हुइना मलमे सुदूरपश्चिमके ९.२२ प्रतिशत युरिया र ९.०७ प्रतिशत डिएपीके कोटा रहल कार्यालय जनैले बा । गत आर्थिक बरसमे कम्पनीके धनगढी कार्यालयसे युरिया १२ हजार ८४३ मेट्रिक टन ओ डिएपी ८ हजार ६४७ मेट्रिक टन बिक्रि करे पाइल रहे । 'कूल मागके आधा परिमाण फेन नैहो यी,' कार्यालय प्रमुख बोगटी कहलै, 'वार्षिक ३० हजार मेट्रिक टन हाराहारी युरिया ओ डिएपीके माग हुइना करठ् ।' किसान मल अभावमे भारतीय सीमा क्षेत्रके बजारसे मल लन्ना करठै । 'यी बरस भारतीय सीमा क्षेत्रके बजारमे पनि मलखाद नैपाइल हो,' कैलारीके एक किसान कहलै ।

कम्पनीसे हाल डिएपीके मूल्य प्रतिक्विन्टल ४ हजार ७७३ ओ युरिया प्रतिक्विन्टल १ हजार ८७३ रुपैयाँ निर्धारण करले बा । कम्पनीसे किसानहे बिक्रि नैकैके निजी क्षेत्रके व्यापारी तथा सहकारीहे कोटा निर्धारण कैके मलखाद बिक्री कैटी आइल बा । कृषि सामग्री कम्पनीसे उपलब्ध कराइलपाछे डिलरसे किसान मल किने पैना ब्यवस्था बा । अइसीक डिलर टोकेबर सम्बन्धित स्थानीय तहके सिफारिसमे एक वडामे कम्तीमे दुई बिक्रेता निर्धारण कैटी आइल कार्यालय प्रमुख बोगटी बटैठै । 'कैलाली जिल्लाभर करिब चार सय डिलर टोक्ले बटी,' उहाँ कहलै, 'धनगढीमे ४७ बिक्रेता निर्धारण करले बटी ।' एक बिक्रेताहे उपलब्ध कराइल मलके परिमाण भर यकिन नैहुइनना बोगटी बटैलै । स्थानीय तहके वडा कार्यालयके सिफारिस तथा मूल्य निर्धारण करल अनुसार हुइना करल उहाँ बटैलै ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९